CBSE Class 12 Hindi Question Paper 2019

SET – 1

Series : BVM/1

कोड नं.
Code No. **2/1/1**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*
Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं । प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं – **क, ख, ग** ।*

*(ii) सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर क्रमशः लिखें ।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बीसवीं शताब्दी में भारत ने ब्रिटिश साम्राज्यवादी – उपनिवेशवादी व्यवस्था को अपने ऊपर से उतार फेंका । महात्मा गांधी की प्रेरणा से भारतीय जनता ने एक नए ढंग का संघर्ष कर अपनी स्वाधीनता प्राप्त की । गांधीजी ने राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया । उनके लिए राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ लड़ना जितना महत्त्वपूर्ण था उतना ही महत्वपूर्ण था सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर के भेदभाव के विरुद्ध खड़ा होना । अपनी 'आत्मकथा' में गांधीजी लिखते हैं – "ऐसे व्यापक सत्यनारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिए प्राणीमात्र के प्रति आत्मवत (अपने समान) प्रेम की भारी जरूरत है । इस सत्य को पाने की इच्छा करने वाला मनुष्य जीवन के एक भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता । यही कारण है कि मेरी सत्य-पूजा मुझे राजनैतिक क्षेत्र में घसीट ले गई । जो कहते हैं कि राजनीति से धर्म का कोई सम्बन्ध नहीं है, मैं निस्संकोच होकर कहता हूँ कि ये धर्म को नहीं जानते और मेरा विश्वास है कि यह बात कह कर मैं किसी तरह विनय की सीमा को लाँघ नहीं रहा हूँ" । आज राजनीति को धर्म से अलग मानने वालों को गांधीजी की यह बात जरूर सुननी चाहिए । अपने इसी विश्वास के कारण गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा । उनका मानना था कि करोड़ों वंचितों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए ।

(क) गद्यांश को पढ़कर उपयुक्त शीर्षक लिखिए । **1**

(ख) बीसवीं शताब्दी में भारत में क्या बड़ी घटना हुई ? **1**

(ग) महात्मा गांधी के लिए सामाजिक सुधारों के लिए संघर्ष क्यों महत्त्वपूर्ण था ? **2**

(घ) गांधीजी ने सत्यनारायण के दर्शन की पात्रता क्या मानी थी और क्यों ? **2**

(ङ) कौन लोग धर्म को नहीं जानते ? उनके प्रति गांधीजी ने ऐसी धारणा क्यों बनाई ? **2**

(च) गांधीजी के विचार से स्वाधीन भारत की पहचान क्या होनी चाहिए ? **2**

(छ) गद्यांश के आधार पर लिखिए कि स्वाधीनता की व्यापक पहचान क्या होनी चाहिए ? क्यों ? **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 4 = 4**

जो नहीं हो सके पूर्ण-काम
मैं उनको करता हूँ प्रणाम !

कुछ कुंठित औ' कुछ लक्ष्य-भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त-तूणीर हुए
– उनको प्रणाम !

जो छोटी-सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि-पार
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकार
- उनको प्रणाम !

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे
- उनको प्रणाम !

कृत-कृत्य नहीं जो हो पाए
प्रत्युत फांसी पर गए झूल
कुछ ही दिन बीते हैं, फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल
- उनको प्रणाम !

(क) कवि असफल लोगों को ही क्यों प्रणाम कर रहा है ?
(ख) छोटी सी नौका से सागर पार करने की कोशिश करने वालों का क्या महत्त्व माना है ?
(ग) उच्च शिखर की ओर बढ़ते हुए हिम समाधि लेने का भावार्थ क्या है ?
(घ) समाज किन लोगों को भी भुला देता है ?

अथवा

क्या कुटिल व्यंग्य ! दीनता वेदना से अधीर, आशा से जिनका नाम रात-दिन जपती है,
दिल्ली के वे देवता रोज कहते जाते, 'कुछ और धरो धीरज, किस्मत अब छपती है ।'

किस्मतें रोज छप रहीं, मगर जलधार कहाँ ? प्यासी हरियाली सूख रही है खेतों में,
निर्धन का धन पी रहे लोभ के प्रेत छिपे, पानी विलीन होता जाता है रेतों में ।

हिल रहा देश कुत्सा के जिन आघातों से, वे नाद तुम्हें ही नहीं सुनाई पड़ते हैं ?
निर्माणों के प्रहरियो ! तुम्हें ही चोरों के काले चेहरे क्या नहीं दिखाई पड़ते हैं ?

तो होश करो, दिल्ली के देवो, होश करो, सब दिन तो यह मोहिनी न चलने वाली है,
होती जाती है गर्म दिशाओं की साँसें, मिट्टी फिर कोई आग उगलने वाली है ।

(क) गरीबों के प्रति कुटिल व्यंग्य क्या है ?
(ख) निर्धन की त्रासदी क्या है ?
(ग) शासक वर्ग को 'दिल्ली के देवता' क्यों कहा गया है ?
(घ) कवि क्या चेतावनी दे रहा है ?

खंड 'ख'

3. नीचे दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : **5**

(क) लोकतंत्र और हमारा दायित्व

(ख) बाल मजदूरी हमारे घरों में

(ग) लोकतंत्र में चुनावों की भूमिका

(घ) इंटरनेट एक वरदान

4. किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भारतीय सेना के जवानों द्वारा किये जाने वाले कार्यों का वर्णन करते हुए सेना की भूमिका रेखांकित कीजिए । **5**

अथवा

छात्र-परिषद् के अध्यक्ष के रूप में नगर निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालय के सामने अवस्थित पार्क की सफाई और देखभाल की ज़िम्मेदारी लेने का प्रस्ताव रखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : **$1 \times 4 = 4$**

(क) लोकतंत्र का चौथा खंभा किसे कहा जाता है और क्यों ?

(ख) फीचर किसे कहते हैं ?

(ग) संपादन के दो सिद्धांत बताइए ।

(घ) लोकतंत्र में जनसंचार के दो कार्यों का उल्लेख कीजिए ।

(ङ) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ?

6. 'बदल रही है सरकारी विद्यालयों की छवि' विषय पर एक आलेख लिखिए । **3**

अथवा

हाल ही में पढ़ी गई किसी पाक-विधि की पुस्तक की समीक्षा लिखिए ।

7. 'विद्यालय स्वच्छता अभियान' विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए । **3**

अथवा

आपकी बस्ती के निकट लगने वाले साप्ताहिक बाजार को विषय बनाकर एक फीचर तैयार कीजिए ।

खंड 'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए बानर निकर ।
आइ गयउ हनुमान जिमि करुना महँ बीर रस ।।
हरषि राम भेटेउ हनुमाना । अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना ।।
तुरत बैद तब कीन्हि उपाई । उठि बैठे लछिमन हरषाई ।।
हृदयँ लाइ प्रभु भेंटेउ भ्राता । हरषे सकल भालु कपि ब्राता ।।
कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा । जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा ।।

(क) हनुमान के आगमन को करुण रस के बीच वीर रस की उत्पत्ति क्यों कहा गया है ?

(ख) 'अति कृतज्ञ' कौन हुआ और क्यों ?

(ग) इन पंक्तियों में वर्णित भाइयों के प्रेम-भाव की आज के जीवन में प्रासंगिकता पर टिप्पणी कीजिए ।

अथवा

कविता एक खिलना है, फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जानें !
बाहर भीतर
इस घर उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जानें ?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने ।

(क) भाव स्पष्ट कीजिए
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने ।

(ख) कविता को बच्चों के समानांतर क्यों रखा गया है ?

(ग) कविता के खिलने और फूलों के खिलने में क्या साम्य-वैषम्य है ?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 + 2 = 4**

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे घुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने

(क) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर
मैं वह खँडहर का भाग लिए फिरता हूँ ।

(क) काव्यांश के अलंकार सौन्दर्य का उद्‌घाटन कीजिए ।

(ख) काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) "पतंग" कविता में बच्चों द्वारा 'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने' से कवि का क्या आशय है ?

(ख) 'कवितावली के छंदों में अपने युग की आर्थिक एवं सामाजिक विषमता की अभिव्यक्ति है' कथन की पुष्टि कीजिए ।

(ग) "कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है' ? इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(घ) उषा कविता के आधार पर गाँव की सुबह का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्‌भुत अवधूत है । दुख हो या सुख, वह हार नहीं मनाता । न ऊधो का लेना, न माधो का देना । जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं । मौज में आठों याम मस्त रहते हैं । एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है । ज़रूर खींचता होगा । नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं । कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवाह, पर सरस और मादक । कालिदास भी जरूर अनासक्त योगी रहे होंगे । शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी से अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है ।

(क) लेखक ने शिरीष को अवधूत क्यों कहा है ?

(ख) लेखक यह क्यों मानता है कि अनासक्त हृदय से ही मेघदूत जैसा श्रेष्ठ काव्य उपज सकता है ?

(ग) वर्तमान के संघर्षपूर्ण जीवन में शिरीष के माध्यम से लेखक क्या संकेत देना चाह रहा है ?

अथवा

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे । भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना । वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है ।

(क) लेखिका को अपने और भक्तिन के बीच सेवक-स्वामी का संबंध होने में संदेह क्यों है ?

(ख) लेखिका ने भक्तिन को नौकर कहना असंगत क्यों माना है ?

(ग) लेखिका और भक्तिन के परस्पर संबंधों की दो विशेषताएँ लिखिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) जीवन संघर्षों ने चार्ली चैपलिन के व्यक्तित्व को कैसे निखारा ? **3**

(ख) लेखक ने क्यों कहा कि 'मन खाली हो, तब बाज़ार न जाओ' ? **3**

(ग) भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा पति थोप देने की घटना के विरोध में टिप्पणी लिखिए । **3**

(घ) लुट्टन पहलवान ने ढोल को अपना गुरु क्यों कहा ? **1**

13. यशोधर बाबू जीवन में नए और पुराने के द्वंद्व में फंस गए हैं, आपके विचार से उन्हें क्या करना चाहिए और क्यों ? **4**

अथवा

ऐन फ्रैंक की डायरी ने नितान्त निजी अनुभवों को भी विस्मृति से बचाने के प्रयास में अपने समय और समाज का प्रामाणिक दस्तावेज प्रस्तुत कर दिया है, कैसे ?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : **$4 \times 2 = 8$**

(क) 'सिन्धु की सभ्यता पूर्ण विकसित मानव सभ्यता थी', इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं और क्यों ?

(ख) 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर महिलाओं की तत्कालीन स्थिति का उल्लेख करते हुए बताइए कि आज के समय में क्या बदलाव आ रहे हैं ?

(ग) 'जूझ' पाठ के पात्र दत्ताजी राव देसाई ने लेखक के जीवन को कैसे प्रभावित किया ? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए ।

(घ) यशोधर बाबू ने किशन दा से किन जीवन मूल्यों को पाया था ? उनका उल्लेख करते हुए बताइए कि आपके लिए भी वे उपयोगी हो सकते हैं तो कैसे ?

SET – 1

Series : BVM/1

कोड नं.
Code No. **29/1/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80
Maximum Marks : 80

सामान्य निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।

*(ii) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(iii) विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।

खण्ड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भारत की संस्कृति सदैव 'वसुधैव कुटुंबकम्' की पक्षधर रही है । वह जाति, सम्प्रदाय और प्रांत की इकाइयों में राष्ट्र का हित नहीं देखती । इन इकाइयों के कारण व्यक्तियों में संघर्ष होता है और वह संघर्ष देश के हित में बाधक होता है क्योंकि उससे सामाजिक व्यवस्था भंग होती है । ये इकाइयाँ हैं तो संकुचित और झगड़ों की जड़ , किंतु इनका अपना महत्त्व भी है ।

अपनी जाति, सम्प्रदाय या वर्ग के लिए प्रयत्नशील रहना और अपने वर्ग के लोगों को राष्ट्र की सेवा के लिए एक उपयोगी इकाई बनाना, यहाँ तक तो कोई बुरी बात नहीं, बुराई वहाँ से शुरू होती है जहाँ इन संकुचित इकाइयों के पारस्परिक प्रेम में बाँधने वाले संबंध सूत्र दृढ़ पार्थक्य रेखाएँ बनकर घृणा और द्वेष के बीज बोने लगते हैं । लोग एक दूसरे से ही बैर नहीं करने लगते वरन् देश से भी विद्रोह करने लग जाते हैं – "धर्म और संस्कृति को खतरे में बताकर देश–विरोधी नारे लगाने लगते हैं और अपनी मूल संस्कृति को ताक पर रख देते हैं । जातीय पार्थक्य भावना देश में भेदभाव उत्पन्न कर देश को कमजोर बना सकती है । सामाजिक व्यवस्था में सब जातियों का महत्त्व बराबर समझा जाए, किसी के साथ भेदभाव न हो तो उत्तम है । इसी प्रकार साम्प्रदायिकता में अपने धर्म पर दृढ़ता के साथ परधर्म सहिष्णुता भी चाहिए ।

हम चाहे जिस राज्य में भी रहें, भारतवासी पहले हैं । हम हिन्दू, मुसलमान, बौद्ध, सिक्ख–ईसाई होते हुए भी भाई–भाई हैं । अनेकता में एकता, विविधता में साम्य भारत की विशेषता है – धर्म, जाति, प्रांत सब राष्ट्र से बँधे हुए हैं । अतः हमें अपने में निष्ठा, देश–भक्ति, राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का ज्ञान और भारत के प्रति सच्चे प्रेम का भाव रखना चाहिए ।

(क) जाति और संप्रदाय की भावना देश के लिए कब और कैसे अहितकर हो जाती है ? **(2)**

(ख) साम्प्रदायिकता की भावना से क्या तात्पर्य है ? उसे कैसे दूर किया जा सकता है ? **(2)**

(ग) जाति, सम्प्रदाय और प्रांत की इकाइयों को झगड़ों की जड़ क्यों कहा गया है ? **(2)**

(घ) "हम भारतवासी पहले हैं" – इस कथन से लेखक का क्या मंतव्य है ? स्पष्ट कीजिए । **(2)**

(ङ) भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषता क्या बताई गई है ? उसका आशय स्पष्ट कीजिए । **(2)**

(च) प्रस्तुत गद्यांश को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **(1)**

2. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1 × 5 = 5**

धर्माधिराज का ज्येष्ठ बनूँ ?
भारत में सबसे श्रेष्ठ बनूँ ?
कुल की पोशाक पहन करके,
सिर उठा चलूँ कुछ तन करके ?
इस झूठमूठ में रखा क्या है
केशव ! यह सुयश, सुयश क्या है !
विक्रमी पुरुष, लेकिन सिर पर
चलता न छत्र पुरखों का धर ।
अपना बल तेज जगाता है,
सम्मान जगत से पाता है ।
सब उसे देख ललचाते हैं ।
कुल गोत्र नहीं साधन मेरा,
पुरुषार्थ एक बस धन मेरा,
कुल ने तो मुझको फेंक दिया ।
मैंने हिम्मत से काम लिया ।
अब वंश चकित भरमाया है,
खुद मुझे ढूँढने आया है ।
जिस नर की बाँह गही मैंने
जिस तरु की छाँह गही मैंने
जीते जी उसे बचाऊँगा
या आप स्वयं कर जाऊँगा ।

(क) कर्ण ने पांडव-कुल की श्रेष्ठता को क्यों ठुकराया ?

(ख) पराक्रमी पुरुष की क्या पहचान बताई गई है ?

(ग) कर्ण कुल-गोत्र की अपेक्षा किस गुण को महत्त्व देता है ?

(घ) किस प्रकार के व्यक्ति को देख लोग ललचाते हैं ?

(ङ) कर्ण किसे बचाने का संकल्प कर रहा है और क्यों ?

अथवा

धूप चमकती है चाँदी की साड़ी पहने
मैके में आई बेटी की तरह मगन है
फूली सरसों से आके लिपट गई है
जैसे दो हमजोली सखियाँ गले मिली हैं
भैया की बाँहों से छूटी भौजाई–सी
लहँगे को लहराती हवा चली है
सारंगी बजती है खेतों की गोदी में
दल के दल पक्षी उड़ते हैं मीठे स्वर के
अनावरण यह प्राकृत छवि की अमर भारती
रंग–बिरंगी पंखुरियों की खोल चेतना
सौरभ से मह–मह महकाता है दिगंत को
मानव मन को भर देता है दिव्य दीप्ति से
शिव के नंदी–सा पानी पीता नदिका में
निर्मल नभ अवनी के ऊपर बिसुध खड़ा है
काल काग की तरह ठूँठ पर गुमसुम बैठा
सोई आँखों देख रहा है दिवावसान को ।

(क) काव्यांश के आधार पर ग्रामीण परिवेश के दो दृश्यों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) हवा की तुलना कवि ने किससे की है और क्यों ?

(ग) फूलों के खिल उठने का क्या प्रभाव चारों ओर पड़ता है ?

(घ) मानव मन दिव्य दीप्ति से कैसे भर उठता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) किन पंक्तियों का आशय है कि साँझ का सौंदर्य देखकर समय भी मानो ठहर गया ?

खण्ड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए : **8**

(क) क्या नहीं कर सकती नारी

(ख) हड़तालें : देश की प्रगति में बाधक

(ग) विज्ञापनों की चकाचौंध

(घ) सहशिक्षा–आज की आवश्यकता

4. पढ़ने-लिखने की उम्र में भीख माँगने वाले बच्चों की समस्या पर किसी समाचारपत्र के संपादक को पत्र लिखिए और एक समाधान भी सुझाइए । **5**

अथवा

सड़क को चौड़ा करने के बहाने अधिक पेड़ काटे जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य के वन और पर्यावरण विभाग के मंत्री को पत्र लिखकर तुरंत कार्रवाई करने के लिए आग्रह कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : **1 × 4 = 4**

(क) भारत में पहला छापाखाना कहाँ और कब खुला ?

(ख) मुद्रित माध्यमों की सबसे बड़ी विशेषता क्या मानी जाती है ?

(ग) पत्रकारिता का कोई एक उद्देश्य संक्षेप में स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'इन-डेप्थ' रिपोर्ट किसे कहते हैं ?

(ङ) उल्टा पिरामिड शैली का तात्पर्य समझाइए ।

6. प्लास्टिक के निरंतर बढ़ते जा रहे उपयोग के दुष्परिणामों पर एक आलेख लिखिए । **3**

अथवा

'देश के विकास में युवाओं की भागीदारी' विषय पर एक फीचर लिखिए ।

खण्ड – 'ग'

7. निम्नलिखित में से **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्घ्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर
अपनी दूसरी टाँग से
बिलकुल बेखबर !

अथवा

पूरन प्रेम को मंत्र महा पन, जा मधि-सोधि सुधारि है लेख्यौ ।
ताही के चारु चरित्र विचित्रनि, यों पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ ।
ऐसो हियो हितपत्र पवित्र जो, आन-कथा न कहूँ अवरेख्यौ ।
सो घनआनद जान अजान लौं, टूक कियौ पर बाँचि न देख्यौ ।

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 = 4**

(क) "मैंने भ्रमवश जीवन संचित मधुकरियों की भीख लुटाई" काव्य पंक्ति में देवसेना क्या कहना चाह रही है और क्यों ?

(ख) 'नयन न तिरपित भेल' के आलोक में विद्यापति की नायिका की मनोदशा पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'एक भ्रम' कविता के संदर्भ में आज़ादी के बाद बदली जीवन शैली तथा ईमानदार आदमी के असहाय होते जाने का कारण स्पष्ट कीजिए ।

(घ) तुलसीदास के पदों के आधार पर राम के वन गमन के बाद कौशल्या की मनोदशा का वर्णन कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 × 2 = 6**

(क) रकत ढरा माँसू गरा, हाड़ भए सब संख ।
धनि सारस होइ ररि मुई, आइ समेटहु पंख ।।

(ख) ऊँचे तरुवर से गिरे
बड़े बड़े पियराए पत्ते
कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –
खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई !

(ग) इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण ।

(घ) पुलकि शरीर सभाँ भए ठाढ़े । नीरज नयन नेह जल बाढ़े ।।
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा । एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ।।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **5**

दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं । सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है । परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ-हजूरी । जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरे का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है । कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है । वह वशी है । वह वैरागी है । राजा जनक की तरह संसार में रहकर, संपूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है ।

अथवा

दूर जलधारा के बीच एक आदमी सूर्य की ओर उन्मुख हाथ जोड़े खड़ा था । उसके चेहरे पर इतना विभोर, विनीत भाव था मानो उसने अपना सारा अहम त्याग दिया है, उसके अन्दर 'स्व' से जनित कोई कुंठा शेष नहीं है, वह शुद्ध रूप से चेतन स्वरूप आत्माराम और निर्मलानंद है ।

11. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) संवदिया की क्या विशेषताएँ हैं और गाँव वालों के मन में उसके प्रति क्या अवधारणा है ?

(ख) उपाध्याय बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' की पहली झलक रामचन्द्र शुक्ल ने किस प्रकार देखी ?

(ग) प्रकृति के कारण विस्थापन और औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए ।

(घ) नास्सेर अराफ़ात के आतिथ्य प्रेम की दो घटनाओं का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

12. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' **अथवा** घनानंद का जीवन-परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । **5**

अथवा

रामविलास शर्मा **अथवा** भीष्म साहनी का जीवन परिचय देते हुए उनकी भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

13. 'सूरदास' की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए और बताइए कि आपको इस पात्र से क्या प्रेरणा मिलती है ? **4**

अथवा

सूरदास की झोंपड़ी में आग किसने और क्यों लगाई ? झोंपड़ी जलने के बाद सूरदास की मनोदशा पर टिप्पणी कीजिए ।

14. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4 + 4 = 8**

(क) 'अब मालवा में वैसा पानी नहीं गिरता जैसे पहले गिरा करता था ।' क्यों ? कारणों पर चर्चा कीजिए ।

(ख) 'बिसनाथ मान ही नहीं सकते कि ..... बिस्कोहर से ज्यादा सुंदर कोई औरत हो सकती है ।' उम्र में स्वयं से लगभग दस बरस बड़ी उस औरत के सौंदर्य को बिसनाथ ने प्रकृति के माध्यम से कैसे चित्रित किया है ?

(ग) 'आरोहण' के आधार पर भूपसिंह के जीवन-संघर्ष का सोदाहरण वर्णन कीजिए ।

(घ) "कुहासे का होना क्या मायने रखता है इन पहाड़ों में, इसे तो कोई पहाड़ी ही समझ सकता है ।" 'आरोहण' में रूपसिंह के उक्त कथन को स्पष्ट करते हुए उसकी वेदना समझाइए ।